लेखक परिचय

मनोहर श्याम जोशी

जन्म सन् 1935, कुमाऊँ में। हिंदी के प्रसिद्ध पत्रकार और टेलीविज़न धारावाहिक लेखक। लखनऊ विश्वविद्यालय से विज्ञान स्नातक। ***दिनमान*** पत्रिका में सहायक संपादक और ***साप्ताहिक हिंदुस्तान*** में संपादक के रूप में कार्य। सन् '84 में भारतीय दूरदर्शन के प्रथम धारावाहिक ***हम लोग*** के लिए कथा-पटकथा लेखन शुरू करने के बाद से मृत्युपर्यंत स्वतंत्र लेखन। प्रमुख रचनाएँ: ***कुरु कुरु स्वाहा, कसप, हरिया हरक्यूलीज़ की हैरानी, हमज़ाद, क्याप*** (कहानी संग्रह); **एक दुर्लभ व्यक्तित्व, कैसे किस्सागो, मंदिर घाट की पौड़ियाँ**, ***ट-टा प्रो.फ़ेसर षष्ठी वल्लभ पंत***, ***नेताजी कहिन, इस देश का यारों क्या कहना*** (व्यंग्य-संग्रह); ***बातों-बातों में, इक्कीसवीं सदी*** (साक्षात्कार-लेख-संग्रह); ***लखनऊ मेरा लखनऊ, पश्चिमी जर्मनी पर एक उड़ती नज़र*** (संस्मरण-संग्रह); ***हम लोग, बुनियाद, मुंगेरी लाल के हसीन सपने*** (टेलीविज़न धारावाहिक)। ***क्याप*** के लिए 2005 के साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित। निधन सन् 2006, दिल्ली में।

© NCERT not to be republished

आनंद यादव

जन्म: 1935, कागल, कोल्हापुर (महाराष्ट्र) में। पूरा नाम ***आनंद रतन यादव***। पाठकों के बीच ***आनंद यादव*** के नाम से परिचित। मराठी एवं संस्कृत साहित्य में स्नातकोत्तर डॉ. आनंद यादव बहुत समय तक पुणे विश्वविद्यालय में मराठी विभाग में कार्यरत रहे। अब तक लगभग पच्चीस पुस्तकें प्रकाशित। उपन्यास के अतिरिक्त कविता-संग्रह समालोचनात्मक निबंध आदि पुस्तकें भी प्रकाशित। ***भारतीय ज्ञानपीठ*** से प्रकाशित ***नटरंग*** हिंदी-पाठकों के बीच भी चर्चित। यहाँ प्रस्तुत अंश ***जूझ*** उपन्यास से लिया गया है जो सन् 1990 में ***साहित्य अकादमी*** पुरस्कार से सम्मानित है। निधन सन् 2016 में।

ओम थानवी

जन्म सन् 1957 में। शिक्षा-दीक्षा बीकानेर में। राजस्थान विश्वविद्यालय से व्यावसायिक प्रशासन में एम.कॉम। एडीटर्स गिल्ड ऑफ़ इंडिया के महासचिव। 1980 से 1989 तक नौ वर्ष 'राजस्थान पत्रिका' में रहे। 'इतवारी पत्रिका' के संपादन ने साप्ताहिक को विशेष प्रतिष्ठा दिलाई। सजग और बौद्धिक समाज में इतवारी पत्रिका ने अपने दौर में विशिष्ट स्थान बनाया। अपने सामाजिक और सांस्कृतिक सरोकारों के लिए जाने जाते हैं। अभिनेता और निर्देशक के रूप में स्वयं रंगमंच पर सक्रिय रहे हैं। साहित्य, कला, सिनेमा, वास्तुकला, पुरातत्त्व और पर्यावरण में गहन दिलचस्पी रखते हैं। अस्सी के दशक में सेंटर फ़ॉर साइंस एनवायरमेंट (सीएसई) की फ़ेलोशिप पर राजस्थान के पारंपरिक जल-स्रोतों पर खोजबीन कर विस्तार से लिखा। पत्रकारिता के लिए अन्य पुरस्कारों के साथ गणेशशंकर विद्यार्थी पुरस्कार प्रदत्त। 1999 से संपादक के नाते दैनिक जनसत्ता दिल्ली और कलकत्ता के संस्करणों का दायित्व सँभाला।

© NCERT not to be republished